Annexure – 'A'

पाठ्यक्रम

हिन्दी - 'अ' (002)

कक्षा - नवीं

संकलित परीक्षा II (2012 -13)

	संकलित परीक्षा II (एस ए II) हेतु भार विभाजन (अक्टूबर-मार्च)			कुल भार %
खण्ड	**विषय वस्तु**		**अंक**	
खण्ड क	अपठित बोध		20	30%
खण्ड ख	व्याकरण		20	
खण्ड ग	पाठ्यपुस्तक व पूरकपाठ्यपुस्तक	36	40	
	पाठ्यपुस्तकों से मूल्यपरक प्रश्न	**4**		
खण्ड घ	लेखन		10	
	रचनात्मक मूल्यांकन (एफ ए -3 व एफ ए -4)			20%
	कुल भार			50%

प्रश्न पत्र में 3-5 अंक का मूल्याधारित प्रश्न होगा।

- **कक्षा IX के समस्त विद्यार्थियों हेतु माह जनवरी-फरवरी, 2013 में समस्या समाधान मूल्यांकन आयोजित किया जायेगा। इससे संबंधित विवरण एक पृथक परिपत्र में उपलब्ध है।**

- **समस्या समाधान मूल्यांकन की गणना कक्षा नवीं में रचनात्मक मूल्यांकन-4 के स्थान पर की जायेगी। जोकि कक्षा IX के कुल मूल्यांकन का 10% होता है। इस मूल्यांकन की गणना कक्षा- X के रचनात्मक मूल्यांकन-4 के स्थान पर भी की जायेगी। इस मूल्यांकन में प्राप्तांक/श्रेणी एक भाषा (अंग्रेजी अथवा हिंदी), गणित, विज्ञान तथा सामाजिक विज्ञान में कक्षा नवीं के लिए सत्र 2012-13 एवम् कक्षा दसवीं के लिए सत्र 2013-14 में प्रदर्शित होगी।**

- **विद्यार्थियों को समस्या समाधान मूल्यांकन में प्राप्त प्राप्तांक/श्रेणी में सुधार हेतु कक्षा दसवीं में विकल्प उपलब्ध रहेगा। ऐसे विद्यार्थी सत्र 2013-14 के माह जनवरी/फरवरी 2014 में कक्षा नवीं के साथ इस मूल्यांकन में पुनः सम्मिलित हो सकते है। ऐसे विद्यार्थी जो कि प्राप्तांक/श्रेणी सुधार हेतु सम्मिलित होगें उनके अंतिम प्रमाण पत्र में उपर्युक्त दोनों प्राप्तांक/श्रेणी में से सर्वोच्च प्राप्तांक/श्रेणी प्रदर्शित की जाऐगी।**

- **वे विद्यालय जिन्होंने रचनात्मक मूल्यांकन-4 से संबंधी समय सारणी तथा अन्य कार्यक्रमों का पूर्व निर्धारण कर लिया है, वह रचनात्मक मूल्यांकन-3 तथा रचनात्मक मूल्यांकन-4, दोनों में से प्राप्त उत्तम श्रेणी को रचनात्मक मूल्यांकन-3 तथा 4 (दोनो मिलाकर जिसका भार 10% हागा) के स्थान पर आगणित करेंगे।**

टिप्पणी:

1 संकलित परीक्षाओं का कुल भार 60 प्रतिशत तथा रचनात्मक परीक्षाओं का कुल भार 40 प्रतिशत होगा। रचनात्मक परीक्षाओं के 40 प्रतिशत में से प्रत्येक सत्र में 5 प्रतिशत भाग (संपूर्ण वर्ष में 10 प्रतिशत) श्रवण व वाचन कौशलों के परीक्षण हेतु आरक्षित होगा। शेष 30 प्रतिशत रचनात्मक मूल्यांकन, पाठ्यचर्या के अन्य अंगों जैसे पठन, लेखन, व्याकरण,

पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक, पर आधारित होगा। इसमें बोलने, सुनने, लिखने व बोध पर आधारित मौखिक, लिखित अथवा कार्यकलापों पर आधारित किया जा सकता है।

2 **संकलित परीक्षा I (एस ए – I) 90 अंक की होगी।** 90 अंक को मूल्यांकन के पश्चात 30 अंक में परिवर्तित कर लिया जाएगा, तदुपरांत ग्रेड का निर्धारण किया जाएगा तथा **संकलित परीक्षा II (एस ए – II)** 90 अंक की होगी व 90 अंक का मूल्यांकन के पश्चात 30 अंक मे परिवर्तित करने के उपरांत ग्रेड का निर्धारण किया जाएगा।

संकलित परीक्षाओं हेतु विभाजन

खण्ड	**विभाग**	**अंक**	**कुल अंक**
क	1. अपठित गद्यांश-बोध 2. अपठित काव्यांश बोध	$1 \times 5 = 5$ $1 \times 5 = 5$ $1 \times 5 = 5$ $1 \times 5 = 5$	20
ख	व्याकरण	20	20
ग	पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग -1 पूरक पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग-1	30 10	40
घ.	लेखन	10	10

कक्षा नवीं हिन्दी 'अ' संकलित परीक्षाओं हेतु परीक्षा विनिर्देशन 2012-13

खण्ड-क : अपठित बोध

प्रश्न संख्या 1-4 **20 अंक**

1. दो अपठित गद्यांश (100 से 150 शब्दों के)
2. दो अपठित काव्यांश (100 से 150 शब्दों के)

उपर्युक्त गद्यांश व काव्यांश का शीर्षक का चुनाव, विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर पाँच बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न के पाँच भाग होंगे तथा प्रत्येक भाग का एक-एक अंक होगा।

खण्ड-ख: व्यावहारिक व्याकरण

प्रश्न संख्या 5-9 **20 अंक**

व्याकरण के लिए निर्धारित विषयों पर विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनका कुल भार 20 अंक का होगा ।

खण्ड-ग: पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक क्षितिज व कृतिका

प्रश्न संख्या 10-15 **40 अंक**

प्रश्न संख्या 10

क्षितिज से निर्धारित पाठों में से कोई एक गद्यांश दिया जाएगा (विकल्प सहित) तथा इस पर शीर्षक का चुनाव, विषय-वस्त का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर एक प्रश्न पूछा जाएगा तथा इस प्रश्न के पाँच बहुवकल्पिक भाग होंगे तथा प्रत्येक भाग का एक-एक अंक होगा। **(5×1) = 5 अंक**

प्रश्न संख्या 11

इस प्रश्न के पाँच भाग होंगे। प्रत्येक भाग लघुउत्तरीय प्रकार का होगा तथा प्रत्येक भाग **दो अंक** का होगा। सभी प्रश्न क्षितिज से निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर होगें। तथा यह छात्रों की उच्च चिंतन व मनन क्षमताओं का आकलन करने हेतु पूछे जाएँगे। इन प्रश्नों का कुल भार दस अंक होगा। (2×5) = 10

प्रश्न संख्या 12

क्षितिज से निर्धारित कविताओं में से कोई एक काव्यांश दिया जाएगा (विकल्प सहित) तथा इस पर तीन अतिलघुउत्तरीय / लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे। इन प्रश्नों का कुल भार पाँच अंक होगा । यह छात्रों की काव्य के बोध व उनकी काव्य पर स्वयं की सोच की परख करने हेतु पूछे जाएँगे। (5 अंक)

प्रश्न संख्या 13

इस प्रश्न के पाँच भाग होंगे। क्षितिज से निर्धारित कविताओं के आधार पर लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक भाग दो अंक का होगा। प्रश्नों का आधार छात्रों का काव्य बोध परखना होगा। इस प्रश्न के कुल अंक दस होंगे। (2×5=10)

प्रश्न संख्या 14

पूरक पुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित एक मूल्यपरक, निबंधात्मक प्रश्न पूछा जाएगा। इस प्रश्न का कुल भार चार अंक होगा। ये छात्रों के पाठ पर आधारित अनुभवों व उनकी संवेदनशीलता को परखने के लिए होंगे। (4 अंक)

प्रश्न संख्या 15

पूरक पाठ्यपुस्तक 'कृतिका' के निर्धारित पाठों पर आधारित चार में से तीन लघुउत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएँगें। इन प्रश्नों का कुल भार छः अंक होगा। ये प्रश्न पाठ की समझ व उसकी सहज अभिव्यक्ति की क्षमता पर आधारित होंगे। (2×3=6)

खण्ड –घ : लेखन

प्रश्न संख्या 16-17 **10 अंक**

प्रश्न संख्या 16

इस प्रश्न में संकेत बिन्दुओं पर आधारित समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े हुए विषयों पर 80 से 100 शब्दों में तीन में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखने के लिए कहा जाएगा। यह अनुच्छेद विभिन्न विषयों और संदर्भो पर छात्रों के तर्कसंगत विचार पर प्रकट करने की क्षमता को परखने के लिए होंगे ।

5 अंक

प्रश्न संख्या-17

इस प्रश्न में **औपचारिक/अनौपचारिक** विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखने के लिए कहा जाएगा। यह प्रश्न अभिव्यक्ति की क्षमता पर केन्द्रित होगा । 5 अंक

कक्षा नवीं हिन्दी 'अ'- रचनात्मक मूल्यांकन 3 व 4 एवं संकलित मूल्यांकन II हेतु पाठ्यक्रम का विभाजन

क्रम पाठ्य पुस्तक सं.		द्वितीय सत्र (अक्तूबर से मार्च)		
		FA3 10	**FA4 10**	**SA II 30**
	खण्ड क			
1	अपठित गद्यांश			√
2	अपठित काव्यांश			√
	खण्ड ख			
	व्याकरण	**FA3 10**	**FA4 10**	**SA II 30**
1	शब्द निर्माण उपसर्ग (2 अंक) प्रत्यय (2 अंक) समास (2 अंक)	√		√
2	संज्ञा (2 अंक)	√		√
3	सर्वनाम(2 अंक)		√	√
4	लिंग और वचन का विशेषण पर प्रभाव (2 अंक) परसर्ग 'ने' का क्रिया प्रभाव (2 अंक)	√		√
5	विलोम शब्द (2 अंक) श्रुतिसमभिन्नार्थक (2 अंक) पर्यायवाची शब्द (2 अंक)		√	√
	खण्ड ग			
	क्षितिज गद्य (भाग - 1)			
1	चपला देवी - नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया	√		√
2	हरिशंकर परसाई - प्रेमचंद के फटे जूते	√		√
3	महादेवी वर्मा - मेरे बचपन के दिन		√	√
4	हज़ारी प्रसाद द्विवेदी - एक कुत्ता और एक मैना		√	√
	क्षितिज (भाग - 1) काव्य खण्ड	**FA3 10**	**FA4 10**	**SA II 30**
1	केदारनाथ अग्रवाल - चंद्र गहना से लौटती बेर	√		√
2	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना - मेघ आए	√		√
3	चंद्रकांत देवताले - यमराज की दिशा		√	√
4	राजेश जोशी - बच्चे काम पर जा रहे हैं		√	√
	कृतिका (भाग - 1)	**FA3 10**	**FA4 10**	**SA II 30**
1	रीढ़ की हड्डी - जगदीश चन्द्र माथुर	√		√
2	माटी वाली - विद्या सागर नौटियाल		√	√
3	किस तरह आख़िरकार मैं हिन्दी में आया - शमशेर बहादुर सिंह		√	√
	खण्ड घ			
1	पत्र लेखन	√		√
2	अनुच्छेद लेखन		√	√

पुस्तकें

1. पाठ्य पुस्तक क्षितिज भाग -1

2. पूरक पुस्तक कृतिका भाग -1

टिप्पणी:

1. रचनात्मक मूल्यांकन का अभिप्राय अधिगम के मूल्यांकन से है। इसलिए विद्यालय उपर्युक्त विभाजन का अपनी सुविधानुसार उपयोग कर सकते हैं।

2. रचनात्मक मूल्यांकन से संबंधित सभी कार्यकलाप जैसे विभिन्न प्रकार के शैक्षिक खेल, पहेली, प्रतियोगिता, परियोजना (Project), भूमिका निर्वहन (Roleplay), कहानी लेखन, नाट्य रचनांतरण (Dramatisation), आदि कक्षा में अथवा विद्यालय में करवाये जाने वाले कार्यकलाप हैं। यदि कोई ऐसा कार्यकलाप है जिसमें विद्यालय से बाहर जाकर कार्य करने की आवश्यकता पड़ती है तो ऐसी स्थिति में यह कार्य शिक्षक के पर्यवेक्षण व मार्गदर्शन में होने चाहिए।

हिन्दी – 'अ' (002)

कक्षा – नवीं

संकलित परीक्षा II (2012 -13)

भार विभाजन

खण्ड	विभाग	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक	कुल अंक
क.	**अपठित बोध**				
	1. दो अपठित गद्यांश (100 से 150 शब्द)	बहुवैकल्पिक	5 5	1×5=5 1×5=5	10
	2. दो अपठित काव्यांश (100 से 150 शब्द)	बहुवैकल्पिक	5 5	1×5=5 1×5=5	10
					20
ख.	**व्यावहारिक व्याकरण**				
	शब्द निर्माण उपसर्ग (2 अंक) प्रत्यय (2 अंक) समास (2 अंक)	अतिलघुउत्तरीय	6	1×6=6	6
	संज्ञा (2 अंक)	अतिलघुउत्तरीय	2	1×2=2	2
	सर्वनाम (2 अंक)	अतिलघुउत्तरीय	2	1×2=2	2
	लिंग और वचन....(2 अंक) परसर्ग ने........(2 अंक)	अतिलघुउत्तरीय	4	1×4=4	4
	विलोम शब्द (2 अंक) श्रुतिसमभिन्नार्थक (2 अंक) पर्यायवाची शब्द (2 अंक)	अतिलघुउत्तरीय	6	1×6=6	6
					20
ग.	**पाठ्यपुस्तक व पूरकपाठ्यपुस्तक**				
	पाठ्यपुस्तक– क्षितिज दो पठित गद्यांश में से एक	बहुवैकल्पिक	5	1×5=5	5
	पाठ्यपुस्तक– क्षितिज गद्य पाठों पर आधारित प्रश्न (पांच भाग)	लघुउत्तरीय	5	2×5=10	10
	पाठ्यपुस्तक– क्षितिज से काव्यांश (विकल्प सहित)	अतिलघुउत्तरीय	1	1×1=1	5
		लघुउत्तरीय	2	2×2=4	
	पाठ्यपुस्तक– क्षितिज से पठित कविताओं पर आधारित प्रश्न (पाचं भाग)	लघुउत्तरीय	5	2×5=10	10

					30
	पूरकपाठ्यपुस्तक कृतिका				
	पाठ के आधार पर प्रश्न **मूल्यपरक प्रश्न ***	निबंधात्मक I	1	1×4=4	4
	पाठ के आधार पर प्रश्न (4 में से **3**)	लघुउत्तरीय	3	2×3=6	6
					10
घ.	**लेखन**				
	80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद (3 में से 1)	निबंधात्मक II	1	1×5=5	5
	अनौपचारिक औपचारिक विषयों में से किसी दो में से एक विषय पर पत्र	निबंधात्मक II	1	1×5=5	5
					10
	कुल अंक				**90**

प्रश्न पत्र में 3-5 अंक का मूल्याधारित प्रश्न होगा।

Expected Answer	**Marks per Question**	**Total No. of Questions**	**Total Marks**
बहुकैल्पिक प्रश्न	1	25	25
अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न	1	21	21
लघूत्तरात्मक प्रश्न	2	15	30
निबन्धात्मक प्रश्न I*	4	1	4
निबन्धात्मक प्रश्न	5	2	10
		64	**90**

नमूना प्रश्न

हिन्दी – 'अ' (002)

कक्षा – नवीं

संकलित परीक्षा II (2012 -13)

बहुविकल्पीय प्रश्न

खण्ड क

1 अंक वाले प्रश्न

प्रश्न–1 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प छाँटकर लिखिए– 1×5=5 अंक

जिस–जिससे पथ पर स्नेह मिला
उस–उस राही को धन्यवाद।
जीवन अस्थिर, अनजाने ही
हो जाता पथ पर मेल कहीं
सीमित पग–डग, लंबी मंजिल
तय कर लेना कुछ खेल नहीं।
दाएँ–बाएँ सुख–दुख चलते
सम्मुख चलता पथ का प्रमाद
जिस–जिससे पथ पर स्नेह मिला
उस–उस राही को धन्यवाद।
साँसों पर अवलम्बित काया,
जब चलते–चलते चूर हुई।
दो स्नेह शब्द मिल गए, मिली–
नव स्फूर्ति, थकावट दूर हुई।
पथ के अनजाने छूट गए,
पर साथ–साथ चल रही याद।
जिस–जिससे पथ पर स्नेह मिला
उस–उस राही को धन्यवाद।

(i) कवि किसे धन्यवाद देता है?

(क) राही को। (ख) मित्रों को।

(ग) परिवार जन को। (घ) जीवन–मार्ग पर जिस–जिससे स्नेह मिला।

(ii) जीवन मंजिल को तय कर लेना खेल क्यों नहीं है?

(क) समय का अभाव। (ख) लघु जीवन।

(ग) सीमित पग–डग। (घ) निर्धनता।

(iii) कवि की 'थकावट' कब दूर हुई?

(क) जब स्नेह के दो शब्द मिले। (ख) जब आराम मिला।

(ग) जब साथ मिला। (घ) जब वह प्रसन्न हुआ।

(iv) हमेशा हमारे साथ क्या रहता है?

(क) साथियों का साथ। (ख) साथियों की यादें।

(ग) साथियों का स्नेह। (घ) साथियों की मित्रता।

(v) 'अवलम्बित' शब्द का अर्थ है-

(क) विलंब। (ख) परतंत्र।

(ग) आश्रित। (घ) सहयोग।

प्रश्न-2 निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्पों का चयन कीजिए- 1×5=5 अंक

उसी बीच आनंद भवन बापू आए। हम लोग तब अपने जेब खर्च से हमेशा एक-एक, दो-दो आने देश के लिए बचाते थे और जब बापू आते थे तो वह पैसा उन्हें दे देते थे। एक दिन जब बापू के पास मैं गई तो अपना कटोरा भी लेती गई। मैंने निकालकर बापू को दिखाया। मैंने कहा, "कविता सुनाने पर मुझको यह कटोरा मिला है।" कहने लगे, "अच्छा, दिखा तो मुझको।" मैंने कटोरा उनकी ओर बढ़ा दिया तो उसे हाथ में लेकर बोले, "तू देती है इसे?" अब मैं क्या कहती। मैंने दे दिया और लौट आई।

(i) बापू इलाहाबाद आने पर कहाँ ठहरते थे?

(क) शांति निकेतन में। (ख) आनंद भवन में।

(ग) राष्ट्रपति भवन में। (घ) श्री निकेतन में।

(ii) लेखिका अपने जेब खर्च से हमेशा एक-दो आने किसके लिए बचाती थीं?

(क) देश के लिए। (ख) अपने लिए।

(ग) बापू के लिए। (घ) मित्र के लिए।

(iii) जेब खर्च से पैसा बचाकर किसे देते थे?

(क) बाबा को। (ख) शिक्षक को।

(ग) बापू को। (घ) माँ को।

(iv) लेखिका को कविता सुनाने पर क्या मिला?

(क) बधाई पत्र। (ख) कटोरा।

(ग) थाल। (घ) प्रशस्ति पत्र।

(v) लेखिका ने क्या किया?

(क) बापू को कटोरा दे दिया। (ख) कटोरा देने से मना कर दिया।

(ग) चुप हो गई। (घ) वहाँ से चली आई।

(उत्तर संकेत)

प्रश्न-1 (i) (घ) जीवन-मार्ग पर जिस-जिससे स्नेह मिला। (ii) (ग) सीमित पग-डग।

(iii) (क) जब स्नेह के दो शब्द मिले। (iv) (ख) साथियों की यादें।

(v) (ग) आश्रित।

प्रश्न-2 (i) (ख) आनंद भवन में। (ii) (क) देश के लिए।

(iii) (ग) बापू को। (iv) (ख) कटोरा।

(v) (क) बापू को कटोरा दे दिया।

खण्ड ख

व्यावहारिक व्याकरण

अतिलघुउत्तरीय प्रश्न

1 अंक वाले प्रश्न

प्रश्न–1 (क) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कर समास का भेद लिखिए – 1×2=2 अंक

(i) चौराहा (ii) दहीबड़ा

प्रश्न–2 (ख) निर्देशानसार उत्तर दीजिए – 1×4=4 अंक

(i) 'स्वाभिमान' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।

(ii) 'अ' उपसर्ग से दो शब्द बनाइए।

(iii) 'पौराषिक' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय व मूल शब्द लिखिए।

(iv) 'उक' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।

(उत्तर संकेत)

प्रश्न–1 (क) (i) चौराहा – चार राहों का समाहार – द्विगु समास 1×2=2 अंक

(ii) दहीबड़ा – दही में डूबा हुआ बड़ा – कर्मधारय समास

प्रश्न–2 (ख) (i) स्व + अभिमान। (½ + ½ = 1)

(ii) अपरिचित, अस्वच्छ। (½ + ½ = 1)

(iii) पुराण + इक। (½ + ½ = 1)

(iv) भावुक, उत्सुक। (½ + ½ = 1)

खण्ड ग

लघुउत्तरीय प्रश्न

2 अंक वाले प्रश्न

प्रश्न–1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए –

(क) बालिका मैना ने सेनापति 'हे' को कौन–कौन से तर्क देकर महल की रक्षा के लिए प्रेरित किया?

(ख) महादेवी वर्मा उर्दू–फ़ारसी क्यों नहीं सीख पाई?

(उत्तर संकेत)

(क) बालिका मैना ने सेनापति 'हे' को निम्नलिखित तर्क दिए -

- यह स्थान मुझे बहुत प्रिय है।
- आपकी प्यारी कन्या मेरी में और मुझ में बहुत प्रेम-संबंध था।
- इस जड़ पदार्थ मकान ने आपका क्या अपराध किया है?

(ख) महादेवी वर्मा उर्दू-फ़ारसी इसलिए नहीं सीख पाई क्योंकि उनकी रुचि नहीं थी। जब मौलवी साहब पढ़ाने आते तो वे चारपाई के नीचे छिप जातीं।

खण्ड घ

निबंधात्मक प्रश्न

पत्र-लेखन 5 अंक

जीवन में हर कदम पर आत्मविश्वास की महत्ता बताते हुए अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए।

अनुच्छेद लेखन 5 अंक

दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए -

मार गई महँगाई

- वर्तमान में स्थिति
- आम लोगों पर प्रभाव
- बेरोज़गारी व कम वेतन में जीना मुश्किल
- सरकार का रवैया
- समाधान हेतु सुझाव

<u>मूल्यपरक प्रश्न</u>

'रीड़ की हड्डी' पाठ के आधार पर यह विरोधाभास कि लड़कियों को उच्च शिक्षा दिलाई जाती है परन्तु विवाह के लिए यह तथ्य छिपाया जाए, समाज में प्रचलित किस कुरीति को उजागर करता है। आपके विचार में रामस्वरूप की इस विवशता का क्या उपाय हो सकता है?

उत्तर संकेत–

1. समाज में प्रचलित दोहरे मापदण्ड – मान्यता होती है कि लड़कियों की शैक्षिक अथवा अन्यतर योग्यताएँ पुरुषों की अपेक्षा कम ही होनी चाहिए।
2. निर्णय प्रक्रिया और नियंत्रण में पुरुष वर्चस्व पर आधारित सामाजिक विचारधारा यह बात शिक्षा के जरिए आने वाले संभावित बदलावों के स्वरूप व सीमाओं को संकुचित कर देती है।
3. यह पूर्वाग्रह कि स्त्रियों के स्वभाव में एक खास बात होती है जो शिक्षा के ज्यादा संपर्क में आने से नष्ट हो जाएगी शिक्षित लड़कियों के विवाह को हतोत्साहित करता है। । अगर औरतें बाहर जाकर काम करना चाहें तो पारिवारिक कर्तव्यों को पूरा करने में अड़चन आ सकती है। आदि
4. उच्च शैक्षिक योग्यता वाली लड़कियाँ भी परिवार को भली प्रकार से चलाने में उतनी ही सक्षम होती हैं जितनी अन्य लड़कियाँ होती हैं। परिवार के सम्पूर्ण कल्याण हेतु स्त्रियों का शिक्षित होना उतना ही आवश्यक है जितना पुरुषों का। इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए रामस्वरूप को अपनी बेटी की शैक्षिक योग्यता न छिपाते हुए उसके लिए उचित वर खोजना चाहिए।